Num

Chapter 30

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

אֲשֶׁר	הַדָּבָר	זֶה	לֵאמֹר	יִשְׂרָאֵל	לִבְנֵי	הַמַּטּוֹת	רָאשֵׁי	אֶל־	מֹשֶׁה	וַיְדַבֵּר
जो	बात	यह	कहते-हुए	इस्राएल	पुत्रों-के-लिए	गोत्रों-के	मुखियों-के	से	मूसा	और-बोला
H1697		H2088	H0559	H3478		H4294		H0413	H4872	H1696

יְהוָה׃	צִוָּה
यहोवा	आज्ञा-दी
H3068	H6680

मूसा ने सभी इस्राएली परिवार समूहों के नेताओं से बातें कीं। मूसा ने यहोवा के इन आदेशों के बारे में उनसे कहाः

2

עַל־	אִסָּר	לֶאְסֹר	שְׁבֻעָה	הִשָּׁבַע	אֹו־	לַיהוָה	נֶדֶר	יִדֹּר	כִּי־	אִישׁ
पर	बंधन	बांधने-को	शपथ	शपथ-खाएगा	या	यहोवा-के-लिए	मन्नत	मानेगा	जब	पुरुष
	H0632	H0631	H7621	H7650		H3068	H5088	H5087		H0376

יַעֲשֶׂה׃	מִפִּיו	הַיֹּצֵא	כְּכָל־	דְּבָרוֹ	יַחֵל	לֹא	נַפְשׁוֹ
वह-करेगा	मुंह-उसके-से	जो-निकला	सब-के-अनुसार	वचन-अपना	वह-तोड़ेगा	नहीं	प्राण-अपने
	H6310	H3318	H3605	H1697		H3808	H5315

"यदि कोई व्यक्ति परमेश्वर को विशेष वचन देता है या यदि वह व्यक्ति यहोवा को कुछ विशेष अर्पित करने का वचन देता है तो उसे वैसा ही करने दो। किन्तु उस व्यक्ति को ठीक वैसा ही करना चाहिए जैसा उसने वचन दिया है।

3

בִּנְעֻרֶיהָ׃	אָבִיהָ	בְּבֵית	אִסָּר	וְאָסְרָה	לַיהוָה	נֶדֶר	תִּדֹּר	כִּי־	וְאִשָּׁה
जवानी-उसकी-में	पिता-उसके	में-घर	बंधन	और-बांधेगी	यहोवा-के-लिए	मन्नत	मानेगी	जब	और-स्त्री
	H0001		H0632	H0631	H3068	H5088	H5087		H0802

"सम्भव है कि कोई युवती अपने पिता के घर पर ही रहती हो और वह युवती यहोवा को कुछ चढ़ाने का विशेष वचन देती है

4

נַפְשָׁהּ	עַל־	אָסְרָה	אֲשֶׁר	וֶאֱסָרָהּ	נִדְרָהּ	אֶת־	אָבִיהָ	וְשָׁמַע	
प्राण-उसके	पर	बांधा-उसने	जो	और-बंधन-उसका	मन्नत-उसकी	को	पिता-उसका	और-सुनेगा	
H5315		H0631		H0632	H5088	H0853	H0001	H8085	

אָסְרָה	אֲשֶׁר־	אִסָּר	וְכָל־	נִדְרֶיהָ	כָּל־	וְקָמוּ	אָבִיהָ	לָהּ	וְהֶחֱרִישׁ
बांधा-उसने	जो	बंधन	और-सब	मन्नतें-उसकी	सब	और-खड़ी-होंगी	पिता-उसका	उससे	और-चुप-रहेगा
H0631		H0632	H3605	H5088	H3605		H0001		

יָקֻמוּ׃	נַפְשָׁהּ	עַל־
खड़ी-होंगी	प्राण-उसके	पर
	H5315	

और उसका पिता इस वचन के विषय में सुनता है और उसे स्वीकार करत लेता है तो उस युवती को उस वचन को अवश्य ही पूरा कर देना चाहिए जिसे करने का उसने वचन दिया हैं।

5

אֲשֶׁר־	וֶאֱסָרֶיהָ	נִדְרֶיהָ	כָּל־	שָׁמְעוֹ	בְּיוֹם	אֹתָהּ	אָבִיהָ	הֶנִיא	וְאִם־	
जो	और-बंधन-उसके	मन्नतें-उसकी	सब	सुनने-अपने	दिन-में	उसे	पिता-उसका	रोकेगा	और-यदि	
	H0632	H5088	H3605	H8085	H3117	H0853	H0001	H5106		

אָבִיהָ	הֶנִיא	כִּי־	לָהּ	יְסַלַּח־	וַיהוָה	יָקֻמוּ	לֹא	נַפְשָׁהּ	עַל־	אָסְרָה
पिता-उसके	रोका	क्योंकि	उसे	क्षमा-करेगा	और-यहोवा	खड़ी-होंगी	नहीं	प्राण-उसके	पर	बांधा-उसने
H0001	H5106			H5545	H3068		H3808	H5315		H0631

אֹתָהּ׃
उसे
H0853

> किन्तु यदि उसका पिता उसके दिये गये वचनों के बारे में सुन कर उसे स्वीकार नहीं करता तो उस युवती को वह वचन पूरा नहीं करना है। उसके पिता ने उसे रोका अतः यहोवा उसे क्षमा करेगा।

6

וְאִם־	और-यदि	
הָיוֹ	होते-होते	H1961
תִהְיֶה	होगी	H1961
לְאִישׁ	पुरुष-के-लिए	H0376
וּנְדָרֶיהָ	और-मन्नतें-उसकी	H5088
עָלֶיהָ	उस-पर	
אוֹ	या	
מִבְטָא	उच्चारण	H4008
שְׂפָתֶיהָ	होंठों-उसके	H8193
אֲשֶׁר	जो	
אָסְרָה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁהּ׃	प्राण-उसके	H5315

> “सम्भव है कोई स्त्री अपने विवाह से पहले यहोवा को कोई वचन देती है अथवा बात ही बात में बिना सोचे विचारे कोई वचन ले लेती है और बाद में उसका विवाह हो जाता है

7

וְשָׁמַע	और-सुनेगा	H8085
אִישָׁהּ	पति-उसका	H0376
בְּיוֹם	दिन-में	H3117
שָׁמְעוֹ	सुनने-अपने	H8085
וְהֶחֱרִישׁ	और-चुप-रहेगा	
לָהּ	उससे	
וְקָמוּ	और-खड़ी-होंगी	
נְדָרֶיהָ	मन्नतें-उसकी	H5088
וֶאֱסָרֶהָ	और-बंधन-उसके	H0632
אֲשֶׁר־	जो	
אָסְרָה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁהּ	प्राण-उसके	H5315
יָקֻמוּ׃	खड़ी-होंगी	

> और पति दिये गये वचन के बारे में सुनता है और उसे स्वीकार करता है तो उस स्त्री को अपने दिये गए वचन के अनुसार काम को पूरा करना चाहिए।

8

וְאִם	और-यदि	
בְּיוֹם	दिन-में	H3117
שְׁמֹעַ	सुनने	H8085
אִישָׁהּ	पति-उसका	H0376
יָנִיא	रोकेगा	H5106
אוֹתָהּ	उसे	H0853
וְהֵפֵר	और-तोड़ेगा	
אֶת־	को	H0853
נִדְרָהּ	मन्नत-उसकी	H5088
אֲשֶׁר	जो	
עָלֶיהָ	उस-पर	
וְאֵת	और-को	H0853
מִבְטָא	उच्चारण	H4008
שְׂפָתֶיהָ	होंठों-उसके	H8193
אֲשֶׁר	जो	
אָסְרָה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁהּ	प्राण-उसके	H5315
וַיהוָה	और-यहोवा	H3068
יִסְלַח־	क्षमा-करेगा	H5545
לָהּ׃	उसे	

> किन्तु यदि पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उसे स्वीकार नहीं करता तो स्त्री को अपने दिये गए वचन को पूरा नहीं करना पड़ेगा। उसके पति ने उसका वचन तोड़ दिया और उसने उसे उसकी कही बात को पूरा नहीं करने दिया, अतः यहोवा उसे क्षमा करेगा।

9

וְנֵדֶר	और-मन्नत	H5088
אַלְמָנָה	विधवा-की	H0490
וּגְרוּשָׁה	और-त्यागी-की	H1644
כֹּל	सब	H3605
אֲשֶׁר־	जो	
אָסְרָה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁהּ	प्राण-उसके	H5315
יָקוּם	खड़ी-होगी	
עָלֶיהָ׃	उस-पर	

> “कोई विधवा या तलाक दी गई स्त्री विशेष वचन दे सकती है। यदि वह ऐसा करती है तो उसे ठीक अपने वचन के अनुसार करना चाहिए।

10

וְאִם־	और-यदि	
בֵּית	घर-में	
אִישָׁהּ	पति-उसके	H0376
נָדָרָה	मानी-उसने	H5087
אוֹ־	या	
אָסְרָה	बांधा-उसने	H0631
אִסָּר	बंधन	H0632
עַל־	पर	
נַפְשָׁהּ	प्राण-उसके	H5315
בִּשְׁבֻעָה׃	शपथ-में	H7621

> “एक विवाहित स्त्री यहोवा को कुछ चढ़ाने का वचन दे सकती है।

11

וְשָׁמַע	और-सुनेगा	H8085
אִישָׁהּ	पति-उसका	H0376
וְהֶחֱרִשׁ	और-चुप-रहा	
לָהּ	उससे	
לֹא	नहीं	H3808
הֵנִיא	रोका	H5106
אֹתָהּ	उसे	H0853
וְקָמוּ	और-खड़ी-होंगी	
כָּל־	सब	H3605
נְדָרֶיהָ	मन्नतें-उसकी	H5088
וְכָל־	और-सब	H3605
אִסָּר	बंधन	H0632
אֲשֶׁר־	जो	
אָסְרָה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁהּ	प्राण-उसके	H5315
יָקוּם׃	खड़ी-होगी	

> यदि उसका पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उसे अपने वचन को पूरा करने देता है, तो उसे ठीक अपने दिए गए वचनों के अनुसार ही वह कार्य करना चाहिए।

12

וְאִם־	הָפֵר	יָפֵר	אֹתָם	אִישָׁהּ	בְּיוֹם	שָׁמְעוֹ	כָּל־	מוֹצָא	שְׂפָתֶיהָ
और-यदि	तोड़ते-तोड़ते	तोड़ेगा	उन्हें	पति-उसका	दिन-में	सुनने-अपने	सब	उच्चारण	होंठों-उसके
			H0853	H0376	H3117	H8085	H3605	H4161	H8193

לִנְדָרֶיהָ	וּלְאִסַּר	נַפְשָׁהּ	לֹא	יָקוּם	אִישָׁהּ	הֲפֵרָם	וַיהוָה	יִסְלַח־
मन्नतों-उसकी-के-लिए	और-बंधन-को	प्राण-उसके	नहीं	खड़ी-होगी	पति-उसके	तोड़ा-उन्हें	और-यहोवा	क्षमा-करेगा
H5088	H0632	H5315	H3808		H0376		H3068	H5545

לָהּ׃
उसे

> किन्तु यदि उसका पति उसके दिये गए वचन को सुनता है और उसे वचन पूरा करने से इन्कार करता है, तो उसे अपने दिये वचन के अनुसार वह कार्य पूरा नहीं करना पड़ेगा। इसका कोई महत्व नहीं होगा कि उसने क्या वचन दिया था, उसका पति उस वचन को भंग कर सकता है। यदि उसका पति वचन को भंग करता है, तो यहोवा उसे क्षमा करेगा।

13

כָּל־	נֵדֶר	וְכָל־	שְׁבֻעַת	אִסָּר	לְעַנֹּת	נָפֶשׁ	אִישָׁהּ	יְקִימֶנּוּ	וְאִישָׁהּ
सब	मन्नत	और-सब	शपथ	बंधन-का	दुखित-करने-को	प्राण	पति-उसका	स्थिर-करेगा-उसे	और-पति-उसका
H3605	H5088	H3605	H7621	H0632		H5315	H0376		H0376

יְפֵרֶנּוּ׃
तोड़ेगा-उसे

> एक विवाहित स्त्री यहोवा को कुछ चढ़ाने का वचन दे सकती है या स्वयं को किसी चीज़ से वंचित रखने का वचन दे सकती है या वह परमेश्वर को कोई विशेष वचन दे सकती हैं। उसका पति उन वचनों में से किसी को रोक सकता है या पति उन वचनों में से किसी को पूरा करने दे सकता है।

14

וְאִם־	הַחֲרֵשׁ	יַחֲרִישׁ	לָהּ	אִישָׁהּ	מִיּוֹם	אֶל־	יוֹם	וְהֵקִים	אֶת־	כָּל־
और-यदि	चुप-रहते-रहते	चुप-रहेगा	उससे	पति-उसका	दिन-से	को	दिन	और-स्थिर-करेगा	को	सब
				H0376	H3117	H0413	H3117		H0853	H3605

נְדָרֶיהָ	אוֹ	אֶת־	כָּל־	אֱסָרֶיהָ	אֲשֶׁר	עָלֶיהָ	הֵקִים	אֹתָם	כִּי־	הֶחֱרִשׁ	לָהּ
मन्नतों-उसकी	या	को	सब	बंधनों-उसके	जो	उस-पर	स्थिर-किए	उन्हें	क्योंकि	चुप-रहा	उससे
H5088		H0853	H3605	H0632				H0853			

בְּיוֹם	שָׁמְעוֹ׃
दिन-में	सुनने-अपने
H3117	H8085

> पति अपनी पत्नी को कैसे अपने वचन पूरा करने देगा यदि वह दिये वचन के बारे में सुनता है और उन्हें रोकता नहीं है तो स्त्री को अपने दिए वचन के अनुसार कार्य को पूरा करना चाहिए।

15

וְאִם־	הָפֵר	יָפֵר	אֹתָם	אַחֲרֵי־	שָׁמְעוֹ	וְנָשָׂא	אֶת־	עֲוֺנָהּ׃
और-यदि	तोड़ते-तोड़ते	तोड़ेगा	उन्हें	बाद-में	सुनने-अपने	और-वह-उठाएगा	को	अपराध-उसका
			H0853		H8085	H5375	H0853	H5771

> किन्तु यदि पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उन्हें रोकता है तो उसके वचन तोड़ने का उत्तरदायित्व पति पर होगा।"

16

אֵלֶּה	הַחֻקִּים	אֲשֶׁר	צִוָּה	יְהוָה	אֶת־	מֹשֶׁה	בֵּין	אִישׁ	לְאִשְׁתּוֹ	בֵּין־	אָב
ये	विधियां	जो	आज्ञा-दी	यहोवा	को	मूसा	बीच	पुरुष	और-पत्नी-उसकी	बीच	पिता
H0428	H2706		H6680	H3068	H0853	H4872	H0996	H0376	H0802	H0996	H0001

לְבִתּוֹ	בִּנְעֻרֶיהָ	בֵּית	אָבִיהָ׃	פ
और-बेटी-उसकी	जवानी-उसकी-में	घर-में	पिता-उसके	—
H1323			H0001	

> ये आदेश है जिन्हें यहोवा ने मूसा को दिया। ये आदेश एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के बारे में है तथा पिता और उसकी उस पुत्री के बारे में है जो युवती हो और अपने पिता के घर में रह रही हो।